आईसीएआर-एनआईएनएफटी ने विश्व बौद्धिक संपदा दिवस समारोह पर "महिला और आईपी त्वरित नवाचार और रचनात्मकता" विषय के तहत संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया।

आईसीएआर-एनआईएनएफटी ने 26 अप्रैल, 2023 को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस समारोह पर एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया है और ICAR-NINFET में विषय 'महिला और आईपी: त्वरित नवाचार और रचनात्मकता' है।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 26 अप्रैल को प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस कार्यक्रम की स्थापना 2000 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा की गई थी ताकि इस बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके कि पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क और डिजाइन दैनिक जीवन पर कैसे प्रभाव डालते हैं और रचनात्मकता और योगदान का जश्न मनाते हैं। दुनिया भर में अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के विकास के लिए रचनाकारों और नवप्रवर्तकों द्वारा बनाया गया। इस वर्ष की थीम 'महिला और आईपी: त्वरित नवाचार और रचनात्मकता' है।

कार्यक्रम में टी-5, एओ, एफएओ, एएओ (प्रशा. I, II, III और IV), डीडीओ, पीएस से लेकर निदेशक के सभी वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया।

डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक, आईसीएआर-एनआईएनएफईटी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने इस दिन के उत्सव के महत्व के बारे में प्रतिभागियों को संबोधित किया।

परिचयात्मक भाषण में डॉ. ए.एन. रॉय, पीआई, एबीआई ने विश्व आईपी दिवस मनाने के महत्व और महिलाओं की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने जेनेवा सम्मेलन से पेटेंट दाखिल करने के इतिहास और डब्ल्यूआईपीओ की भूमिका का भी वर्णन किया।

श्रीमती पारमिता मित्रा मुखोपाध्याय कानूनी कार्यकारी, आईसीएआर-एनआईएनएफईटी कार्यक्रम की अगली वक्ता थीं। महिलाओं की उपलब्धि के विभिन्न उदाहरणों के साथ, उन्होंने आईपी के विभिन्न क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए "आईपी एरिना में महिलाओं को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण" पर एक व्याख्यान दिया, जहां महिलाओं ने अपनी पहचान और नवाचार स्थापित किए।

पेटेंट और डिजाइन के पूर्व उप नियंत्रक डॉ. सुशील कुमार मित्रा ने "आईपी - त्वरित नवाचार और रचनात्मकता" पर व्याख्यान दिया, अपने व्याख्यान में उन्होंने विभिन्न आईपी क्षेत्रों और संबंधित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों की जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को अधिनियमों के उल्लंघन और सीमाओं और इसके प्रवर्तन पहलू के बारे में भी जागरूक किया।

पेटेंट और डिजाइन के पूर्व उप नियंत्रक डॉ. सुशील कुमार मित्रा ने "आईपी - त्वरित नवाचार और रचनात्मकता" पर व्याख्यान दिया, अपने व्याख्यान में उन्होंने विभिन्न आईपी क्षेत्रों और संबंधित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों की जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों को अधिनियमों के उल्लंघन और सीमाओं और इसके प्रवर्तन पहलू के बारे में भी जागरूक किया।

Sensitization Programme on Celebration of World Intellectual Property Day on 26th April and the theme is **'Women and IP: Accelerating Innovation and Creativity"** at ICAR-NINFET

ICAR-NINFET has organized a Sensitization Programme on Celebration of World Intellectual Property Day on 26th April,2023 and the theme is **'Women and IP: Accelerating Innovation and Creativity"** at ICAR-NINFET.

World Intellectual Property Day is observed annually on April 26. The event was established by the World Intellectual Property Organization (WIPO) in 2000 to raise awareness of how patents, copyright, trademarks and designs impact on daily life and to celebrate creativity, and the contribution made by creators and innovators to the development of economies and societies across the globe. This year the Theme is **'Women and IP: Accelerating Innovation and Creativity".**

All the Scientists, Technical Officers on and above T-5, AO, FAO, AAOs (Adm. I, II, III and IV), DDO, PS to Director participated in the programme.

Dr. D.B. Shakyawar, Director, ICAR-NINFET welcomed the august participants. He addressed to the participants regarding the importance of the celebration of this day.

In the Introductory Speech, **Dr. A. N. Roy,** PI, ABI, stated about the importance of celebrating World IP Day and the role of women. He also described the history of Patent filing from Geneva Conference and role of WIPO.

Smt. Paramita Mitra Mukhopadhyay, Legal Executive, ICAR-NINFET was the next speaker of the programme. With various example of women achiever, she delivered a lecture on "Approaches to Empowering Women in IP Arena" mentioning various fields of IP where women established their Identity and Innovations.

Dr. Sushil Kumar Mitra, Former Deputy Controller of Patent & Design, delivered lectures on ***"IP – Accelerating Innovation & Creativity".*** In his lecture he briefed the different IP segments and related national and international obligations. He also made the participants vigilant about the violation and limitations of the Acts and its enforcement aspect.

Dr. S. B. Roy, Head, ToT Division & In-Charge, ITMU, expressed his gratitude to all the participants including the Resource persons for their deliberations to make of the Programme a successful event.

Dr. A. N. Roy is delivering his lectures.

Smt. Paramita Mitra Mukhopadhyay is sharing her views in the topic.

Dr. Sushil Kumar Mitra is delivering his speech.

Grand success with all the participants